Uttar Pradesh

Pilibhit and Rampur

Arzo saman

26 june2026

Urdu/Hindi Daily (Evening) ARZ-O-SAMA (3) Pilibhit • Friday 26-06-2026

विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए 15000 अकाल अकादमी विद्यार्थियों ने बनाई WE ARE DRUG FREE मानव आकृति

पीलीभीत 26 जून – अन्तर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर दकलगीधर ट्रस्ट द्वारा संचालित 121 अकाल अकादमी विद्यालयों के 15000 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्त[र] प्रदेश एव राजस्थान में विशे[ष] नशा जागरूकता अभियान में भा[ग] लिया । प्रातः 8 बजे

सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने एक साथ अपने –अपने परिसर में एकत्र होकर WE ARE DRUG FREE (हम नशा मुक्त हैं) की मानव आकृति बनाकर नशे से दूर रहने का संकल्प लिया । यह गतिविधि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन में दर्ज होने के उद्देश से आयोजित की गई। जिला पीलीभीत में अकाल अकादमी गोमती के 17 एवं अकाल अकादमी कजरी के 150 विद्यार्थियों ने सहभागिता निभाई । इस अवसर पर अकाल अकादमी कजरी की प्रधानाचार्य सुश्री सिमरन कौर सिंह ने कहा कि यह पहल हमारे विद्यार्थियों की नशा मुक्त समाज के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है । वर्ष भर चलाए जाने वाले कार्यक्रमों मूल्य – आधारित शिक्षा, प्रामर्श सेवाओं तथा निवारक गतिविधियों के माध्यम से हम अपने विद्यालयों को नशा मुक्त परिसर बनाने हेतु निरंतर प्रयत्न शील हैं दकलगीधर ट्रस्ट अपने शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से नशा निवारण एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है । अकाल अकादमी के विद्यार्थियों ने पूर्व में भी इसी प्रकार के आयोजनों के माध्यम से दो विश्व रिकॉर्ड एवं एक लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है । यह अभियान युवाओं को नशा मुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करने तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है ।

दैनिक जागरण

1 JULY,2026

पूरनपुर के अकाल अकादमी गोमती पुल में छात्रों ने बनाई मानव श्रृंखला • जागरण

बच्चों ने श्रृंखला बनाकर नशा से दूर रहने को किया प्रेरित

संस, जागरण • पूरनपुर : विश्व रिकार्ड लंदन में दर्ज कराने के लिए अकाल अकादमी गोमती पुल की तरफ से नशामुक्त जागरूकता अभियान कार्यक्रम किया गया।

कलगीधर ट्रस्ट बड़ू साहिब की तरफ से अकाल एकेडमी की 131 अकादमियों में नशा मुक्त जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में छात्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक कर स्वस्थ, नशामुक्त जीवन शैली के प्रति

विश्व रिकार्ड बनाने को 131 अकादमियों में हुआ कार्यक्रम

प्रेरित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि डा. हरमन सिंह रंधावा एवं डा. आकाश हलदर ने प्रधानाचार्य मनिंदर कौर ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को भी बर्बाद कर देता है। युवा पीढ़ी को खेल, शिक्षा और संस्कारों से जोड़कर ही नशामुक्त भारत का सपना साकार कर सकते हैं।

आज का भविष्यफल : 27 जून, 2026 शनिवार

कल 28 जून, 2026 का पंचांग

हिन्दी साप्ताहिक

कलयुग की दुनिया

E-mail : jitendramohansaxena62@gmail.com सम्पादक : जितेन्द्र मोहन सक्सेना (शासकीय विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध)

नशा सिर्फ एक व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है।

2 JULY,2026

अकाल एकेडमी गोमती पुल में मनाया गया नशामुक्त जागरूकता अभियान

वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने की तैयारी

- ईएनआई संवाददाता

पीलीभीत। कलगीधर ट्रस्ट बड़ू साहिब के तत्वावधान में अकाल एकेडमी गोमती पुल में नशामुक्त जागरूकता अभियान का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं और समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। यह अभियान केवल स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसे वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में दर्ज कराने के लक्ष्य के साथ आयोजित किया गया।

अभियान में अकाल एकेडमी की विभिन्न शाखाओं के 131 विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिसमें गोमती पुल शाखा के बच्चों की सक्रिय सहभागिता रही। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश देते हुए जागरूकता गतिविधियों में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि डॉ. हरमन रंधावा एवं डॉ. आकाश हलदर के आगमन से हुई। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मनिंदर कौर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में नशा युवाओं के भविष्य के लिए सबसे बड़ी चुनौती बनता जा रहा है, जिससे समाज को मिलकर लड़ना होगा।

मुख्य अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को खेल, शिक्षा, नैतिक मूल्यों और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़कर ही नशामुक्त भारत का सपना साकार किया जा सकता है।

समापन सत्र में प्रधानाचार्या मनिंदर कौर ने विद्यार्थियों को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहने, अनुशासित जीवन अपनाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। अंत में सभी ने समाज को नशामुक्त बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

हिन्दी साप्ताहिक

कलयुग की दुनिया

E-mail : jitendramohansaxena62@gmail.com सम्पादक : जितेन्द्र मोहन सक्सेना (शासकीय विज्ञापन हेतु सूचीबद्ध)

नशा मुक्ति (मानव आकृति) बनाकर नशे से दूर रहने का संकल्प दोहराया

जिला मीडिया प्रभारी
इन्द्रपाल सिंह

पीलीभीत। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर कलगीधर ट्रस्ट द्वारा संचालित 121 अकाल अकादमी विद्यालयों के 15,000 से अधिक विद्यार्थियों ने पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान में एक विशेष नशा जागरूकता अभियान में भाग लिया।

प्रात: 8.00 बजे, सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों ने एक साथ अपने–अपने परिसर में एकत्र होकर (हम नशामुक्त हैं) की मानव आकृति बनाकर नशे से दूर रहने का संकल्प दोहराया। यह गतिविधि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में दर्ज होने के उद्देश्य से आयोजित की गई।

जिला पीलीभीत के विद्यालयों में सहभागिता इस प्रकार रही–

अकाल अकादमी गोमती–71
अकाल अकादमी कजरी –150

इस अवसर पर अकाल अकादमी कजरी की प्रधानाचार्या सुश्री सिमरन कौर थिंद ने कहा, यह पहल हमारे विद्यार्थियों की नशामुक्त समाज के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वर्षभर चलाए जाने वाले जागरूकता कार्यक्रमों, मूल्य–आधारित शिक्षा, परामर्श सेवाओं तथा निवारक गतिविधियों के माध्यम से हमारे विद्यालय नशामुक्त परिसर बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। कलगीधर ट्रस्ट अपने शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से नशा निवारण एवं सामाजिक जागरूकता अभियानों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है।

अकाल अकादमी के विद्यार्थियों ने पूर्व में भी इसी प्रकार के व्यापक जन–जागरूकता अभियानों के माध्यम से दो विश्व रिकॉर्ड तथा एक लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स सम्मान प्राप्त करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

यह अभियान युवाओं को नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करने तथा उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।